भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2183

29 जुलाई, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

घरेलू और वैश्विक स्वीकृति के लिए नैदानिक परीक्षण

2183. **श्री जगन्नाथ सरकार:**
श्रीमती शारदा अनिल पटेल:
श्री मितेष पटेल:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार प्रमाणित पुस्तकों में दर्शाए गए 57 आयुर्वेदिक पदार्थों और 600 भारतीय औषधीय पौधों, जिन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुमोदन प्राप्त है और जिनका कोई दुष्प्रभाव नहीं है, का उपयोग करते हुए नैदानिक परीक्षणों के आधार पर एक उपचार योजना का विश्लेषण करने और उसे लाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या इनमें से कतिपय उपचार, उदाहरण के लिए अर्जुन छाल का चूर्ण और आरोग्य वर्धिनी खराब कोलेस्ट्रॉल के लिए और खांसी, जुकाम आदि की रोकथाम के लिए च्यवनप्राश का उपयोग प्रमाणित पुस्तकों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार निर्धारित किए गए हैं और वे प्रभावी साबित हुए हैं; और

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): किसी स्वस्थ अथवा रोगग्रस्त व्यक्ति की *प्रकृति, अग्नि, सतम्य आदि* जैसे विभिन्न मापदंडों के अनुसार आयुर्वेद उपचार तैयार किया जाता है और केवल नैदानिक परीक्षणों पर आधारित नहीं होता है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की पहली अनुसूची और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 3 (क) और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के तहत यथापरिभाषित आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की 59 आधिकारिक पुस्तकों, सिद्ध चिकित्सा पद्धति की 31 आधिकारिक पुस्तकों तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति की 14 आधिकारिक पुस्तकों का उल्लेख किया गया है। इन आधिकारिक पुस्तकों में उल्लिखित औषधों/पादपों को शास्त्रीय आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी औषध माना जाता है।

आयुष मंत्रालय का अधीनस्थ कार्यालय, भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी भेषजसंहिता आयोग (पीसीआईएम एंड एच) इन औषधों के लिए भेषजसंहितागत मानक और फार्मूलरी विनिर्देश निर्धारित करता है, जो इनमें शामिल औषधों की पहचान, शुद्धता और क्षमता का पता लगाने के लिए आधिकारिक संकलन का कार्य करता है। अब तक प्रकाशित आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी भेषजसंहिताओं और फार्मूलरियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	आयुष चिकित्सा पद्धति	भाग –I, एकल औषध	भाग – II, औषधयोग	कुल
1.	आयुर्वेद	645	202+ 01 एकमात्र गुणवत्ता मानक	**848**
2.	सिद्ध	139	01 एकमात्र गुणवत्ता मानक	**140**
3.	यूनानी	298	200+ 01 एकमात्र गुणवत्ता मानक	**499**
4.	होम्योपैथी	1117	-	**1117**
एएसयू एंड एच पद्धतियों में प्रकाशित कुल मोनोग्राफ		**2199**	**405**	**2604**

आयुष मंत्रालय के अधीन केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) चिन्हित रोगों/दशाओं में नैदानिक सुरक्षा और प्रभाविकता पर ठोस साक्ष्य सृजित करने के लिए शास्त्रीय आयुर्वेदिक औषधयोगों के विधिमान्यकरण हेतु नैदानिक अध्ययन संचालित कर रही है। इसके अतिरिक्त, औषधीय पादपों सहित आयुर्वेद औषधों को जैविक क्रियाकलाप और सुरक्षा विषाक्तता अध्ययनों के लिए जांच की जा रही है।

(ग) और (घ): सीसीआरएएस द्वारा 35 रोग दशाओं पर अर्जुनरिष्ठ, आरोग्य वर्धनी वटी और च्यवनप्राश सहित 159 शास्त्रीय आयुर्वेद औषधियों को नैदानिक अनुसंधान के अंतर्गत विधिमान्यकृत किया गया है (ब्यौरा संलग्नक-I पर है)। औषधीय पादपों सहित 175 आयुर्वेदिक औषधों को जैविक क्रियाकलाप के लिए जांच की गई है और भेषजविज्ञान अनुसंधान के अंतर्गत औषधीय पादपों सहित 69 आयुर्वेदिक औषधों के लिए सुरक्षा विषाक्तता अध्ययन किए गए हैं। अनुसंधान परिणाम प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा रहे हैं।

*****

संलग्नक-I

नैदानिक अनुसंधान परियोजनाओं के अधीन विधिमान्यकृत औषधयोगों की सूची

क्रमांक	औषधयोग का नाम	रोग दशा
1.	धात्री लौह	लौह अल्पता एनीमिया
2.	महात्रिफलादय घृत	एलर्जी कंजीक्टीवाईटिस
3.	महात्रिफलादय घृत	ड्राई आई सिंड्रोम (शुष्काक्षी पाक)
4.	व्यघरी हरीतकी	ब्रोंकाइल अस्थमा
5.	व्यघरी हरीतकी	क्रोनिक ब्रोंकाइटिस
6.	ब्राह्मी घृत	कोग्निटिव डेफिसिट
7.	ज्योतिषमती तेल	
8.	व्योशादी गुग्गुलु	मोटापा (स्थौल्य)
9.	हरीतकी चूर्ण	
10.	व्योशादी गुग्गुलु	डिसलिपिडेमिया
11.	हरीतकी चूर्ण	
12.	सप्तविंशतिका गुग्गुलु	टाइप II डायबिटीज मेलिटस
13.	हरिद्रा चूर्ण	
14.	अश्वगंधाध्यारिष्ट	आवश्यक उच्चरक्तचाप
15.	जटामांसी अर्क	
16.	सर्पगंधा वटी	
17.	बिलवादी लेह	इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस)
18.	पुनर्नवादि मंडुरा	लौह अल्पता एनीमिया
19.	दाडिमादी घृत	
20.	अशोकारिष्ट	रजोनिवृत्ति सिंड्रोम
21.	अश्वगंधा चूर्ण	
22.	प्रवल पिष्टी	
23.	पुनर्नवा गुग्गुलु	ऑस्टियोआर्थराइटिस
24.	दशमूल घृत	
25.	कोट्टमचुक्कड़ी तेल	
26.	लक्ष्य गुग्गुलु	ऑस्टियोपीनिया / ऑस्टियोपोरोसिस
27.	मुक्त शुक्ति पिष्टी	
28.	सिंहनादा गुग्गुलु	रूमेटाइड अर्थराइटिस
29.	बृहत् सैंधवद्य तैल	
30.	अश्वगंधादी लेह	रसायन
31.	राजप्रवर्तनी वटी	कष्टार्तव (डिस्मेनोरिया)
32.	पिंड तैल	गाउट के रोगियों में हाइपरयूरिसीमिया (वातरक्त)
33.	अमृत गुग्गुलु	
34.	वज्रक घृत	किटिभ (सोरायसिस)
35.	आरोग्यवर्धिनी वटी	
36.	दिनेश्वल्यादि तैल	
37.	निसा अमलकी चूर्ण टेबलेट	टाइप II डायबिटीज मेलिटस (मदुमेहा)

38.	चंद्रप्रभा वटी	
39.	यशदा भस्म	किटिभ (सोरायसिस)
40.	त्रिफला चूर्ण	
41.	प्रणद गुटिका	अर्श (हेमोरॉइडस)
42.	अभ्यरिष्ट	
43.	कंचनार गुग्गुलु (टैबलेट)	पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस)
44.	राजप्रवर्तिनी वटी	
45.	वराणादी कषाय	
46.	ब्रहम रसायन	मानस मंदता (मानसिक मंदता)
47.	ब्रहम रसायन	रसायन
48.	वतारी गुग्गुलु	ऑस्टियोआर्थराइटिस नी
49.	नारायण तैल	
50.	महारसनदी कषाय	
51.	क्षीरबाला तैल	
52.	वतारी गुग्गुलु	रूमेटाइड आर्थराइटिस
53.	बृहत सैंधवद्य तैल	
54.	रससप्तक कषाय	
55.	निशाकटकादि कषाय	डायबिटीज मेलिटस
56.	यशदा भस्म	
57.	योगराज गुग्गुलु	ऑस्टियोआर्थराइटिस
58.	गंधर्वहस्त तेल	
59.	धन्वंतर तैल	
60.	वसावलेह	क्रोनिक ब्रोंकाइटिस
61.	कुटजारिष्ट	इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस)
62.	सरस्वत घृत	कोग्निटिव डेफिसिट
63.	वतारी गुग्गुलु	रूमेटाइड गठिया
64.	हिंग्वाष्टक चूर्ण	
65.	बृहत सैंधवद्य तैल	
66.	अश्वगंधा चूर्ण	ऑस्टियोपोरोसिस/ऑस्टियोपेनिया
67.	प्रवल पिष्टी	
68.	कनकसाव	ब्रांकाइल अस्थमा
69.	त्रिवृता चूर्ण	
70.	च्यवनप्राश	रसायन
71.	कुष्मांडक रसायन	क्रोनिक ब्रोंकाइटिस
72.	नवयसा चूर्ण	लौह अल्पता एनीमिया
73.	बहत गंगाधर चूर्ण	इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम
74.	क्षीरबाला तेल	सामान्यकृत एंग्जाइटी डिसोर्डर (जीएडी)
75.	मंडुकपर्णी चूर्ण टेबलेट	
76.	अश्वगंधा चूर्ण टेबलेट	
77.	महात्रिफलाद्य घृत	कंप्यूटर विजन सिंड्रोम
78.	अणु तैल	

79.	गोक्षुरादि गुग्गुलु	डाइबिटीज मेलिटस
80.	गुडुची चूर्ण	
81.	रुद्राक्ष चूर्ण	उच्चरक्तचाप
82.	पार्थद्यारिष्ट (अर्जुनरिष्ट)	उच्चरक्तचाप
83.	सर्पगंधा वटी	
84.	व्योशादी गुग्गुलु	आमवात (संधिशोथ)
85.	पंचसमा चूर्ण	
86.	पंचटिकटागुगुलु घृत	सोरायसिस
87.	बृहम्रीचद्य तैल	
88.	कंचनार गुग्गुलु	यूटरीन फाइब्रॉएड
89.	खादीरारिष्ट	
90.	नवका गुग्गुलु	स्थौल्य (मोटापा)
91.	त्रुशनदि गुग्गुलु	
92.	बृहद मंजिष्ठादि क्वाथ चूर्ण	
93.	कल्याणक घृत	कोग्निटिव डेफिसिट
94.	गोक्षुरा चूर्ण	यूरोलिथियासिस
95.	स्वेता पर्पटी	
96.	त्रिफला गुग्गुलु	अर्श (हेमोरॉइड्स)
97.	कसीसादी तैल	
98.	रसनादि गुटिका	जनुगत संधिवात (ऑस्टियोआर्थराइटिस नी)
99.	चंद्रकला लेप	
100.	कैशोर गुग्गुलु	वातरक्ता (गाउट)
101.	मधुस्नूही रसायन	
102.	अभद्य चूर्ण	ऑस्टियोपीनिया/ऑस्टियोपोरोसिस
103.	मुक्तसुक्ति भस्म	
104.	मंडुरा वातका	लोहे की कमी से एनीमिया
105.	सुकुमार घृत	रजोनिवृत्ति सिंड्रोम
106.	ब्रह्मी चूर्ण (बकोपा मोननेरी) (लिन.)	
107.	पुनर्नवा गुग्गुलु	आमवात (रूमेटाइड अर्थराइटिस)
108.	रस्नासप्तक क्वाथ चूर्ण	
109.	सुन्ठी चूर्ण	
110.	लक्ष्य गुग्गुलु	ऑस्टियोपीनिया/ऑस्टियोपोरोसिस
111.	मुक्तसुक्ति भस्म	
112.	त्रिफला क्वाथ	क्रोनिक एलर्जी कंजंक्टिवाइटिस (कपज अभिशांद्य)
113.	हरिद्रखंड	
114.	त्रयोदशंगा गुग्गुलु	ऑस्टियोआर्थराइटिस नी (संधिवता)
115.	महारसनादी क्वाथ चूर्ण	
116.	बृहतसैंधवद्य तैल	
117.	त्रयोदशंगा गुग्गुलु	गृध्रसी (साइटिका)
118.	महारसनादी क्वाथ चूर्ण	
119.	प्रसारिणी तैल	

120.	सितोपलादि चूर्ण	कास (स्टेबल क्रोनिक ब्रोंकाइटिस)
121.	तालिशदी चूर्ण	कास
122.	पंचामृत लौह गुग्गुलु	सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस (ग्रीवा ग्रह)
123.	पंचगुणा तैल	
124.	कैशोर गुग्गुलु	गाउट
125.	बालगुदुच्यादि तैल	
126.	जत्यादि घृत	परिकार्तिका (फिशर)
127.	जत्यादि तेल	
128.	हरीतकी चूर्ण	
129.	श्वदमष्ट्रादि क्वाथ चूर्ण	मुत्राशमारी (यूरोलिथियासिस)
130.	हजारुल्याहुदा भस्म	
131.	सप्तसार कषाय चूर्ण	प्राइमरी डिसमेनोरिया
132.	सरस्वतारिष्ट	
133.	कंटकार्यवलेह	श्वास (ब्रोंकियल अस्थमा)
134.	इलादि गुटिका	
135.	इंदुकांता घृत	आमवात (क्रोनिक रयूमेटॉइड अर्थराइटिस)
136.	त्रयोदशंगा गुग्गुलु	
137.	इलादि चूर्ण	कास (ब्रोंकाइटिस)
138.	द्राक्षरिष्ट	
139.	कुटाजावलेह	ग्रहणी
140.	शदबिन्दु तैल	पिनासा (क्रोनिक राइनोसिनिटिस)
141.	चित्रक हरीतकी	
142.	पथ्यादि क्वाथ चूर्ण	अर्धवाभेदका (माइग्रेन)
143.	अणु तैल	
144.	पुष्यनुग चूर्ण	डिसफंक्श्नल यूटरीन ब्लीडिंग
145.	उशीरासव	
146.	द्राक्षसव	पांडु (लौह अल्पता एनीमिया)
147.	लवंगादी वटी	कास
148.	चित्रक हरीतकी	
149.	अगस्त्य हरीतकी रसायन	श्वास (ब्रोंकियल अस्थमा)
150.	अपामार्ग क्षार	
151.	पंचतिवता घृत	विचारचिका (एक्जिमा)
152.	गंधकाद्य मल्हार	
153.	जातिफलाद्य चूर्ण	ग्रहणी
154.	चित्रकादि गुटिका	
155.	सौभाग्य शुंठी पाक	सुतिका दौराबल्य
156.	दशमूलारिष्ट	
157.	द्राक्षवलेह	लौह अल्पता एनीमिया
158.	शतावरी गुदा	एबनार्मल यूटरीन ब्लीडिंग
159.	अशोकरिष्ट	

*कुछ औषधयोगों को विभिन्न रोग स्थितियों में या विभिन्न संयोजनों में दोहराया जाता है।